RECEIVED
24 MAY 2025
ForumIAS ACADEMY
MUKHERJEE NAGAR BRANCH
ForumIAS
CENTER CODE 1903

TEST CODE	7	7	1	2	2	3	5

UPPSC MAINS 2024

Time Allowed : One and Half Hours
समय : डेढ़ घंटे

ForumIAS

Maximum Marks : 100
अधिकतम अंक : 100

GENERAL STUDIES / सामान्य अध्ययन

Name Of Candidate परीक्षार्थी का नाम	ATUL		
Roll No./ अनुक्रमांक	1910174418	**Medium/माध्यम**	English ☐ हिंदी ☑
Center Code/परीक्षा केंद्र		**Date/ दिनाक**	24/05/25

*Center Code : For Online – 1900 / Delhi : Karol bagh – 1901, ORN - 1902, Mukharji Nagar - 1903 / Patna : Boring Rd. – 2001 / Hyderabad : Jawahar Nagar - 2101

INDEX TABLE / अनुक्रमणिका

Q. No. प्र.सं.	Max. Marks अधिकतम अंक	Marks Obtained प्राप्तांक
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
Total/कुल अंक	**100**	

Examiner's Discretion/ मूल्यांकन कर्त्ता का विवेक :

Total Marks/ कुल अंक :

*Examiner's Discretion is the marks awarded at the discretion of the examiner based on your overall impression, on the basis of (but not limited to) your handwriting, presentation, use of diagrams, flowcharts, facts and figures or absolutely anything that he/she liked in your copy.

मूल्यांकन कर्त्ता का विवेक अंक, आपकी लिखावट, प्रस्तुति, आरेखों के उपयोग, फ़्लोचार्ट, तथ्यों और आंकड़ों या समग्र रूप किसी अन्य विषय वस्तु, जो मूल्यांकन कर्ता को आपकी कॉपी में पसंद आयी के आधार पर (लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं) पर दिए गए अंक हैं।

INSTRUCTION / अनुदेश

1. Please do furnish Name, Email, Roll No and Mobile in the answer sheet.
कृपया उत्तर–पुस्तिका में नाम, ईमेल, रोल नंबर और मोबाइल नंबर भरें।

2. There are **TEN** questions printed in ENGLISH / HINDI, all questions are compulsory.
उत्तर पुस्तिका में अंग्रेजी / हिंदी में **10** प्रश्न दिए गए हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

3. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न / भाग के लिए निर्धारित अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं।

4. Answers must be written in the medium authorized in the admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided.
उत्तर प्रवेश पत्र में अधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जो कि दिए गए स्थान में इस प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के कवर पर स्पष्ट रूप से लिखा जाना चाहिए।

5. Word limit in questions, if specified, should be adhered to. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum Answer Booklet must be clearly Struck off.
प्रश्नों में शब्द सीमा, यदि निर्दिष्ट हो, का पालन किया जाए। प्रश्न–सह–उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गये किसी भी पृष्ठ या पृष्ठ के भाग को स्पष्ट रूप से काट दें।

For Student Only / केवल परीक्षार्थी प्रयोग हेतु

Start Time/ प्रारंभ करने का समय :	**End Time/ समाप्त करने का समय :**
Mode Of Examination/ परीक्षा की विधि :	Online/ ऑनलाइन ☐ Offline/ ऑफलाइन ☑

For Office Use Only / केवल कार्यालय प्रयोग हेतु

ECN CODE/ ईसीएन कोड :	**EG/ईजी :** ① ② ③ ④ ⑤	**Evaluation Date/ मूल्यांकन तिथि :**

Note: Students are expected to incorporate suggestions from the feedback provided in the answers. Discussion classes for the tests are also available online in your portal to aid in your preparation. Further, students are requested to see the good copies of the tests and learn from them. You can also discuss your copy with a Mentor and discover ways and means to improve your answers, or if you have any issues with this test / copy. Ask specific questions, to get specific answers.

EXAMINER'S REMARKS

ForumIAS

CRITERIA FOR THE FEEDBACK SECTION AT THE END OF EACH QUESTION

1. **AWIS = Answered What is Asked.** This means whether you have addressed the core demand of the question or not. Addressing the core demand of the question gets you an objectively fair score. It is examiner's perception if you have understood the question and if you know the answer in the first place. Creative answer writing, sometimes missing the core demand, may fetch very high or very low scores, and exposes your answer to the subjectivity of the examiner.
2. **CD & VA = Content Density & Value Addition**. Examiner will evaluate the quality and quantity of your content in the answer. In the same word limit and space limit have you (a) written what is asked (b) gone beyond what is asked (c) enriched answers through combination of (but not all!) suggestions, ideas, quotes, flowcharts, diagrams, facts and figures, data etc. This affects objective components of assessment.
3. **S & F = Structure & Flow** = Whether you have structured your answer properly or not. Whether the answer has been broken into parts and sub-parts and each part has been addressed appropriately or not. Whether the flow of the answer is maintained. Affects both subjective and objective components of assessment.
4. **P & R** = How your answer performs on the criteria of **presentation, ease of read, clarity and apparent effort** in writing the answer. This affects the subjective components of assessment.

Q.1) Discuss the role of bureaucracy in modern governance.

आधुनिक शासन में नौकरशाही की भूमिका की विवेचना कीजिए। **(8 Marks)**

नौकरशाही अपनी बहुआयामी प्रकृति व क्रियाकलापों के द्वारा आधुनिक शासन को मूर्त रूप प्रदान करती है। इसी संदर्भ में मैक्स वेबर ने इसे 'स्टील फ्रेम' की संज्ञा दी।

कार्यपालिका
- स्थायी - नौकरशाही
- अस्थायी - राजनेता

आधुनिक शासन में नौकरशाही

- नीति क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका -
  - यथा - NEP, 2020 को लागू करना
- नीति निर्माण में सूचना व फीडबैक प्रदायगी -
  - यथा - नीति निर्माण हेतु इनपुट
- विकासात्मक गतिविधियों का क्रियान्वयन -
  - यथा - अवसंरचना विकास में NHAI के अधिकारी

- लोक सशक्तिकरण व कार्यक्रमों को लागू करना
  यथा - आयुष्मान भारत योजना
- जनता व सरकार के मध्य सेतु
- आर्थिक विकास व ग्रामीण विकास को बढ़ावा
  यथा - ODOP की जिला समिति में जिलाधिकारी की भूमिका
- कल्याणकारी राज्य की स्थापना हेतु प्रयासरत
- नवीन प्रौद्यो॰ व तकनीक को धरातल पर लागू करवाना | यथा - e-gov

---

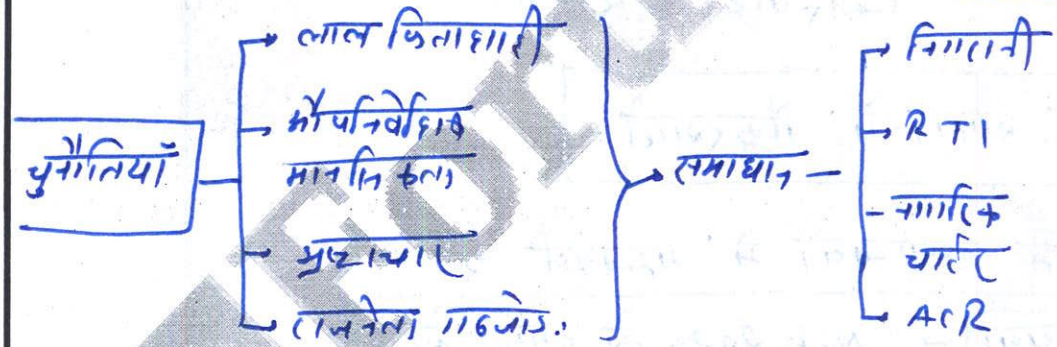

- चुनौतियाँ
  - लाल फीताशाही
  - औपनिवेशिक मानसिकता
  - भ्रष्टाचार
  - राजनेता गठजोड़
- समाधान
  - निगरानी
  - RTI
  - नागरिक चार्टर
  - ACR

स्पष्ट है कि आधुनिक समाज नौकरशाही के माध्यम से ही लक्ष्य प्राप्त करता है। भारत कमियों को 2nd ARC व होता समिति की अनुशंसा लागू कर दूर किया जाना चाहिए।

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.2) Describe the role of civil society in governance.

शासन में नागरिक समाज की भूमिका का वर्णन कीजिए। **(8 Marks)**

विश्व बैंक के अनुसार ; गैर-सरकारी चरित्र के वे संगठन जो सरकार से परे सांगठनिक रूप में लोक सेवा करते हैं, नागरिक समाज कहलाते हैं।

नागरिक समाज
- एन जी ओ.
- स्वयंसेवक संघ
- धर्मार्थ संगठन
- अंतर्राष्ट्रीय संगठन

शासन में नागरिक समाज की भूमिका

(1) सरकारी निरंकुशता को संतुलित करते हैं।

यथा - RTI व विभिन्न माध्यमों से पारदर्शिता।

(2) लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाते हैं - वाचडाग डेमोक्रेसी को बढ़ावा।

यथा - अल्टरनेटिव डिस्प्यूट रिजॉल्यूशन (ADR)

③ प्रभावी नीति निर्माण हेतु इनपुट -

यथा - पर्यावरणीय कानूनों के लिए WWF द्वारा रचना प्रदायगी

④ सरकार - जनता की आकांक्षा के मध्य अंतराल भरना -

सिविल सोसायटी पूर्ण करती । ← { जन आकांक्षा / सरकारी संसाधन }

⑤ सरकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में सहायता । यथा - अक्षयपात्र द्वारा MDM में सहयोग ।

⑥ आर्थिक विकास को प्रोत्साहन देने का कार्य

यथा - FICCI व एसोचैम

क्या किया जा सकता है?
- बेहतर रेगुलेशन
- वित्तीयन
- संगठनिक उन्नयन

स्पष्ट है कि नागरिक समाज शासन हेतु अत्यधिक उपयोगी हैं । इन्हें और उपयोगी बनाने हेतु विजय कुमार समिति की अनुशंसाएं लागू करनी चाहिए ।

Feedback (For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS

Q.3) What do you understand by citizen charter?

सिटीजन चार्टर से आप क्या समझते हैं?

(8 Marks)

किसी संगठन द्वारा अपनी प्रतिबद्धता सूची के माध्यम से दी जाने वाली सेवाओं व विवाद समाधान हेतु तंत्र के लिखित रूप को सिटीजन चार्टर कहते हैं।

सिटीजन चार्टर (केंद्रीय समिति)
- X - सेवा
- Y - समय
- Z - शुल्क
- Q - गुणवत्ता
- D - विवाद निवारण तंत्र

सिटीजन चार्टर से लाभ

(1) जन कल्याणकारी राज्य की स्थापना

(2) लोक संप्रभुता का अनुरक्षण.

(यथा) - जनता को सेवा प्रदायगी व विधा शिकायत निवारण का अधिकार

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

(3) शासन मे पारदर्शिता व उत्तरदायित्व बढ़ता है -

यथा - जवाबदेह अधिकारी कार्य करने हेतु तत्पर
- बैंक का चार्टर

(4) सुशासन की प्राप्ति होती है।
2nd ARC ने भी इसे सुशासन हेतु प्रभावी माना है।

चुनौतियाँ - (1) विधित: प्रवर्तनीय न होना - प्रभाविता कम हो जाती है।

(2) खराब फार्मैटिंग व स्थानीय भाषा मे न होना।

(3) निर्माण के समय व्यापक जन संपर्क नहीं।

(4) प्रत्येक जगह / कार्यालयों मे क्रियान्वयन नहीं -

यथा - ग्रामीण मे बैंक ढांचा कहीं चार्टर नहीं।

अत: उपर्युक्त चुनौतियों को दूर करने हेतु 2nd ARC की अनुशंसाएं लागू करनी चाहिए तथा चार्टर को विधित: प्रवर्तनीय बनाया जाना चाहिए।

Feedback
(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.4) Is 'good governance' an indicator of 'ethical governance'? Explain with examples.

क्या 'सुशासन' 'नैतिक शासन' का सूचक है? उदाहरण सहित समझाइए। **(8 Marks)**

विश्व बैंक के अनुसार सुशासन से तात्पर्य, शासन में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, जवाबदेहिता व जनसहभागिता के होने से है।

वहीं नैतिक शासन में नैतिक मूल्यों यथा - सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, संवेदनशीलता, अंत्योदय करुणा का समावेश होता है।

सुशासन नैतिक शासन के सूचक के रूप में

- सुशासन जनोन्मुख होता है; अत: इसके माध्यम से अंत्योदय की भावना मूर्त होती है।
  यथा - PDS द्वारा मुफ्त राशन
- सुशासन पारदर्शिता को धारण करता है → ईमानदारी व सत्यनिष्ठा को बल मिलता है। यथा - e-gov

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

- सुशासन जनसहभागिता प्रदर्शित करता है।
अतः सुराज की गांधीवादी अवधारणा पूर्ण
(नैतिक शासन)
- विधि के शासन, सामाजिक न्याय, समता व प्रभाविता के माध्यम से सुशासन
जन कल्याण → नैतिक शासन।

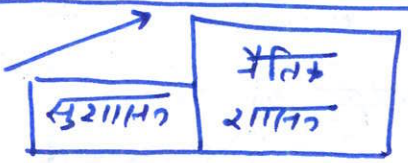

सुशासन व नैतिक शासन के एक्य में कुछ चुनौतियां भी हो सकती हैं। →

① e-गवर्नेंस → पारदर्शिता → लेकिन बायोमेट्रिक मिलान न होने से राशन नहीं → अंत्योदय की धारणा क्षति।

② जनसहभागिता में अधिकतम व्यक्तियों के अधिकतम सुख को ध्यान में रखने से अल्पसंख्यक हित प्रभावित → समावेशिता नहीं।

अतः स्पष्ट है कि सुशासन नैतिक शासन हेतु आधार है, परंतु यह प्रक्रिया का भाग है जिससे नैतिक शासन प्राप्त होगा। इस हेतु '2nd ARC की शासन में नैतिकता' की अवधारणा लागू की जा सकती है।

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.5) What are the main causes of corruption in government institutions?

सरकारी संस्थाओं में भ्रष्टाचार के मुख्य कारण क्या हैं?

(8 Marks)

निजी हितों से प्रेरित होकर पद व प्रतिष्ठा के दुरुपयोग को भ्रष्टाचार की संज्ञा दी जाती है। (ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल)

भ्रष्टाचार
- आर्थिक → रिश्वत
- दबाव बनाना → अनुचित माँग
- किसी को परेशान करना जिससे वह कार्य निष्पादन न कर पाए

(सर्वोच्च न्यायालय)

सरकारी संस्थाओं में भ्रष्टाचार के कारण

① जवाबदेहिता व उत्तरदायित्व का अभाव -

अधिकार — उत्तरदायित्व ⇒ भ्रष्टाचार

② शक्ति का केंद्रीकरण -

यथा - शीर्षस्थ अधिकारियों के पास

③ राजनीतिक दबाव - होना समिति ने ऐसे महत्वपूर्ण कारक माना है।

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

④ कम वेतन व लालच की मनोवृत्ति -
भारत में सरकारी संस्थाओं में वेतन विकसित देशों की तुलना में कम।

⑤ अनुशासनात्मक कार्यवाई का अभाव व संरक्षण -
यथा - अनु० 311

⑥ सामाजिक स्वीकार्यता - लोकनीति के सर्वेक्षण में 70% लोगों ने माना रिश्वत देने से जल्दी काम हो जाता है।

उपाय

सैद्धांतिक	व्यावहारिक
○ RTI	○ निगरानी, CCTV
○ सिटिजन चार्टर	○ जन जागरूकता निर्माण
○ लोक सेवा गारंटी अधिनियम	○ अनुशासनात्मक कार्यवाई
○ व्हिसलब्लोवर संरक्षण अधि० 2011	○ प्रतिपुष्टि तंत्र

उपर्युक्त द्वारा भ्रष्टाचार को नियंत्रित किया जा सकता है। इससे सुशासन की स्थापना के साथ-साथ संवैधानिक मूल्यों का अनुरक्षण होगा।

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			

Q.6) Explain the difference between corporate social responsibility and corporate governance.

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व तथा कॉर्पोरेट गवर्नेंस के बीच अंतर समझाएं। **(12 Marks)**

कंपनी अधि० 2013 के अनुसार कुछ निश्चित मानदंडों को पूर्ण करने वाली कंपनियों को अपने पिछले तीन वर्ष के औसत लाभ का 2% हिस्सा कल्याणकारी कार्यों में व्यय करना पड़ता है, जिसे कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कहते हैं।

वहीं कार्पोरेट गवर्नेंस से तात्पर्य आर्थिक क्रियाकलापों में सत्यनिष्ठा का पालन तथा नियमों व कानूनों के अनुसार होकर धारकों के हितों का अनुरक्षण कार्पोरेट गवर्नेंस कहलाता है।

कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR)	कार्पोरेट गवर्नेंस
① विधिक रूप से स्पष्टतः नाध्यकारी	① हालांकि —

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

विभिन्न कानूनों व नियमों द्वारा व्याख्यायित परंतु विशेषीकृत कानूनी अभाव ।

(2) गांधीवादी ट्रस्टीशिप अवधारणा के अनुरूप	(2) सुशासन की अवधारणा से अनुप्राणित ।
(3) किसी व्यवसाय की सफलता में समाज की सहभागिता होती है। अतः CSR समाज को कुछ लौटाना भी है।	(3) शेयर धारकों के प्रति जिम्मेदारी को निभाना व उनकी रक्षा।
(4) वैधानिक दायित्व हेतु व्यय	(4) इसके व्यय नहीं होता बल्कि सत्यनिष्ठापूर्वक नियमों को लागू किया जाता है।

(४) समाज समावेशी व अर्थव्यवस्था हेतु अनुकूल

(5) निवेश आकर्षण में सहायक

यथा - भारत में TATA कंपनी में FDI आना

(6) कल्याणकारी राज्य के बोझ को कम करता है।

यथा - विभिन्न अनाथालयों का संचालन (रिलायंस)

(6) आर्थिक संवृद्धि द्वारा समावेशी विकास को बढ़ाता है।

कार्पोरेट गवर्नेंस → कंपनी सफल → लाभ → CSR
↓
जनकल्याण

स्पष्ट है कि CSR कंपनियों के नैतिक पक्ष को दर्शाता है, वहीं CG प्रबंधकीय पक्ष को। दोनों को बेहतर करने हेतु कैडबरी समिति व इंजेती श्रीनिवास समिति की अनुशंसा लागू की जानी चाहिए।

Feedback
(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.7) Politicians call themselves 'public servants' and bureaucrats call themselves 'public servants', but in developing countries they often suffer from 'owner mentality'. Critically examine.

राजनीतिज्ञ स्वयं को 'जन-सेवक' तथा नौकरशाह अपने को 'लोक-सेवक' कहते हैं, पर विकासशील देशों में वे प्रायः 'स्वामी-मानसिकता' से ग्रस्त होते हैं। आलोचनात्मक परीक्षण करें।

(12 Marks)

सर्वोच्च न्यायालय की व्याख्या के अनुसार, जो व्यक्ति, संस्था या संगठन राज्य के साथ संबद्ध होने के कारण लोक कल्याण व शासन का कार्य करता है, लोक सेवक कहलाता है।

कार्यपालिका
- स्थायी - लोक सेवक (नौकरशाही)
- अस्थायी - राजनीतिज्ञ (जन सेवक)

स्वामी मानसिकता से ग्रस्त

→ औपनिवेशिक मनोवृत्ति से बाहर न निकल पाना -

यथा - दिल्ली में IAS दंपति द्वारा कुत्ता घुमाने हेतु स्टेडियम को खिलाड़ियों हेतु बंद किया।

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

- अधिकारों का अत्यधिक संकेंद्रण → स्वामी-भाव पैदा करता है।
- लोकतंत्र में जनसंप्रभुता के सिद्धांत के महत्व को न समझना → स्वयं को ही नियामक व नियंता समझना
- वाचडॉग (सिविल सोसायटी) का प्रभावी न होना।
- लोक वित्त को स्वयं का वित्त समझना - यथा - नागरिकों को लाभार्थी मानना न की सेवाओं की अधिकार आधारित व्याख्या

दूसरा पक्ष जहाँ लोकसेवक व जन सेवक की धारणा लागू होती है।

- विकासशील देशों में विकास व लोकतंत्र हेतु सुशासन की स्थापना के प्रयास।

यथा - RTI, PDS

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

- जनसंप्रभुता का सम्मान व जनता से जुड़ाव।
  - **यथा** - नेल्सन मण्डेला
  - राममनोहर लोहिया व
  - आर्मस्ट्रांग पॉम
- लोक सेवा को सत्यनिष्ठा के साथ पालन करना।
  - **यथा** - कर्पूरी ठाकुर (भारत रत्न)
  - ओ॰ पी॰ चौधरी (शिक्षा के संबंध)
- सामाजिक न्याय हेतु कार्य करना
  - **यथा** - P. नरहरि द्वारा भोपाल को दिव्यांगजन सुगम बनाना

क्या किया जाना चाहिए
- जन जागरूकता
- औपनिवेशिक मानसिकता का परिहार
- सिविल सोसायटी को मजबूत बनाना
- RPA व राजनीतिक सुधार

लोकतंत्र में जनता संप्रभु होती है व राजनीतिक व नौकरशाह जनता के सेवक; इसी धारणा के अनुसार 2nd ARC की शासन में नैतिकता रिपोर्ट की सिफारिशें भारत में लागू की जा सकती है

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.8) The idea of Gram Swaraj has not yet taken a concrete shape. Critically examine.

ग्राम स्वराज का विचार अभी तक मूर्त रूप नहीं ले पाया है। आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। **(12 Marks)**

ग्राम स्वराज एक गांधीवादी अवधारणा है, जिसके माध्यम से ग्राम पंचायतों को सशक्त कर तृणमूल लोकतंत्र की स्थापना की जा सकती है।

भारत में ग्राम स्वराज हेतु किए गए प्रयास

- 73 वां संविधान संशोधन
- ग्राम सभा का गठन (243A)
- ग्रामीण विकास कृषि में पंचायतों का समावेशन
- जिला योजना समिति (A. 243ZD)

ग्राम स्वराज का विचार मूर्त रूप में नहीं

(1) ग्राम पंचायतें अभी भी लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का प्रभावी उपकरण साबित नहीं हो पायी हैं।

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

(२) समनुषंगिकता के सिद्धांत का पालन नहीं।

यथा - योजना निर्माण व क्रियान्वयन हेतु सेटेलाइट बाडी की स्थापना।

(3) * ग्राम पंचायतों को लचीला वित्त नहीं।

RBI - इसलिए ग्राम पंचायतें प्रभावी विकास योजना निर्मित नहीं कर पाती।

(4) A. 243G की अवधारणा के अनुरूप पंचायतों को राज्यों द्वारा प्रभावी प्रत्यायोजन नहीं।

(5) स्वयं के कर द्वारा वित्त प्राप्ति नहीं

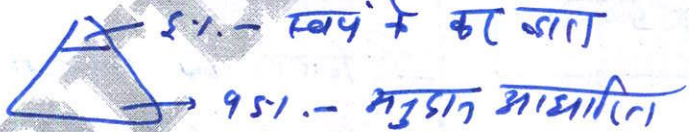

RBI रिपोर्ट
- 5% - स्वयं के कर द्वारा
- 95% - अनुदान आधारित

(6) कुशल कार्यबल का अभाव।

(7) अंकेक्षण व लेखा परीक्षा न होना

(8) नियमित चुनाव न होना

(9) सामंती व्यवस्था; महिलाओं के लिए लैंगिक बाधाएं (UNDP)

(10) डिजिटल संपदा व साक्षरता की कमी

ग्राम स्वराज का विषय विकसित

① पंचायतों को प्रभावी भूमिका देकर ग्राम स्वराज की स्थापना – यथा- केरल मॉडल

② पर्याप्त वित्तीय हस्तांतरण - केरल के पीपुल्स प्लान कैंपेन के तहत 40% (बजट का)

③ स्पष्ट कैडर की नियुक्ति यथा - कर्नाटक

④ ग्रामीण विकास के माध्यम से निर्धनता उन्मूलन यथा - भारत में 11.28 (वह्रप्रायी गरीब) मनरेगा।

⑤ ग्रामीण समस्याओं का निदान व निराकरण संभव : यथा नेशनल रिल लापबिलिटी मिशन

⑥ वंचित वर्ग सशक्तिकरण -
- SC/ST का नीति निर्माण में भाग
- 47% महिला सरपंच (UN-women रिपोर्ट)

स्पष्ट है कि स्थापना के 30 साल पश्चात पंचायतों ने ग्राम स्वराज के विचार को मूर्त किया है, परंतु भारत संरचनात्मक कमियों को 2nd ARC की अनुशंसा से दूर किया जाना चाहिए।

Feedback
(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.9) What is the role of agencies like SEBI and TRAI in ensuring the welfare of citizens? Analyse.

नागरिकों के कल्याण को सुनिश्चित करने में सेबी और ट्राई जैसी एजेंसियों की क्या भूमिका है? विश्लेषण करें।

(12 Marks)

सेबी व ट्राई, सेबी अधि० 1992 व ट्राई एक्ट द्वारा गठित सांविधिक नियामकीय संस्थाएँ हैं, जो नागरिक कल्याण हेतु कार्य करती हैं।

लोकतंत्र में नियामकीय संस्थाएं
- उदारीकृत व्यवस्था के नियमन हेतु
- बाजार अर्थव्यवस्था संचालन
- मानक निर्धारण

नागरिक कल्याण सुनिश्चितता में योगदान

→ उदारीकृत बाजार व्यवस्था में मनमानी (एकाधिकार) को रोकना + नागरिक हेतु विकल्प

यथा – CCI द्वारा कंपनियों के विलय की निगरानी करना।

→ विभिन्न मानकों की स्थापना ताकि नागरिकों हेतु प्रभावी सेवा प्रदायगी हो सके।

(यथा) - सेबी द्वारा कार्पोरेट गवर्नेंस के नियम निर्धारित करना।

→ अर्थव्यवस्था मे प्रतिस्पर्धा को बनाए रखने में सहायक।

(यथा) - ट्राई द्वारा जियो को दिए गए निर्देश

→ मामलों की प्रभावी जांच करना जिससे जनता का हित जुड़ा है।

(यथा) • सेबी द्वारा अडानी मामले मे लगे आरोपो की जांच।

• सत्यम घोटाले की जांच

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area / इस स्थान पर कुछ न लिखें)

→ समय-समय पर दिशानिर्देश जारी करना

(यथा) शेयर धारकों की सुरक्षा हेतु इनसाइडर ट्रेडिंग हेतु चेतावनी जारी करना

चुनौतियाँ →
- राजनीतिक दबाव : यथा - अडानी मामले में विवादों का निष्कर्ष
- कार्मिकों के चयन में पक्षपात (यथा) सेबी प्रमुख पर लगे आरोप
- वित्तीय स्वतंत्रता व पर्याप्त अवसंरचना न होना।

उदार अर्थव्यवस्था हेतु सेबी व ट्राई जैसी संस्थाएं अत्यंत जरूरी है। इनकी कार्यप्रणाली में स्वायत्ता व राजनीतिक हस्तक्षेप को कम कर प्रभावी नागरिक कल्याण सुनिश्चित होगा।

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS

Q.10) How can e-governance initiatives help in increasing the income of farmers? Explain with examples.

ई-गवर्नेंस पहल किसानों की आय बढ़ाने में कैसे मदद कर सकती हैं? उदाहरण देकर समझाइए।

(12 Marks)

विश्व बैंक के अनुसार शासन को ICT के माध्यम परिवर्तित व पुनःपरिभाषित करना e-गवर्नेंस कहलाता है। प्रत्येक क्षेत्र की तरह ही किसान भी इससे लाभान्वित होते हैं।

e-गवर्नेंस पहल किसानों की आय बढ़ाने के संदर्भ में:

→ सरकार द्वारा प्रत्यक्षतः वित्तीय सहायता प्राप्त करना।

(यथा) - PM-किसान के तहत प्राप्त राशि का DBT के तहत हस्तांतरण करना।

- PM-जनधन के माध्यम से साख प्राप्ति।

यथा - किसान क्रेडिट कार्ड

- कृषकीय उत्पादन बढ़ाकर आय सृजन।
  - e-कृषि → मौसम संबंधी जानकारी प्राप्त करना।
  - e-मृदा कार्ड के माध्यम से मृदा गुणवत्ता पहचान

- e-प्रौद्योगिकी के कारण बीमा सुरक्षा

यथा - किसान फसल बीमा योजना

- विपणन में e-प्रौद्यो० -
  - APMC मण्डियों में नापोमेट्रिक की सहायता से भुगतान
  - e-NAM के माध्यम से बेहतर कीमत व मोलभाव

- e-कामर्स, ONDC के माध्यम से उपजों हेतु नया बाजार।
  (यथा)- प्रसंस्कृत दूध
- e-प्रौद्योगिकी द्वारा - सहकारी संगठनों का गठन, पंजीकरण व लाभ प्राप्ति
- e-विवाद निपटान समाधान → PM-स्वामित्व योजना से जमीन विवादों का हल।
- e-रसीद के माध्यम से बैंकों से ऋण प्राप्ति।

~~कनेक्टिविटी~~

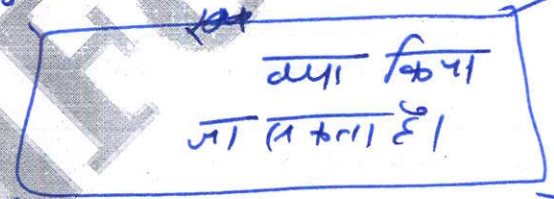

क्या किया जा सकता है।
- डिजिटल साक्षरता
- इंटरनेट उपलब्धता (कामन सर्विस सेंटर)
- सरकारी योजना के प्रति जागरूकता

उपरोक्त द्वारा किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य प्राप्त होगा। जैसा कि अशोक दलवई समिति ने अनुशंसा की थी।

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

ForumIAS

Mentor Feedback Questions

1 .....

2 .....

3 .....

4 .....

5 .....

Test Goal

1 ..... ☐

.....

2 ..... ☐

.....

3 ..... ☐

.....

Outcomes

.....

.....

.....

.....

.....

.....

Marking Scheme

Mark	Good	Average	Below average
10 Marker	3.75 – 5.0	3.0 – 3.5	< 3.0
15 Marker	5.75 – 7.0	4.0 – 5.5	< 4.0
20 Marker	7.75 - 10	6 - 7.5	< 6
✔✔	**Key / Relevant Point**		
✖	**Vague / Irrelevant**		

* Subject to change without prior notice.

Availing Mentorship - Now made easy & seamless via mentorship.forumias.com

Dear Students,

You can now avail Mentorship in both online & offline mode seamlessly. All you need to do is login to below URL and pick up a date and time and your Mentorship is scheduled at the designated time.

Visit the URL https://mentorship.forumias.com or Scan the QR code

When must you seek mentorship? When you are unable to fully comprehend the directions given by the evaluator in the MGP copy. A Mentor will help you understand the nuiances of your evaluated MGP copy. He / She will also be able to make suggestions, if needed, on improvements that you could make.

If we are already doing well, a reinforcement from the Mentor will further assist us in following the right path. A Mentor may also be able to give valuable inputs with respect to time management, presentation, structure etc. He may recommend you clearly to work on content or may suggest you to take courses / read books in case he feels you lack content that may be quickly improved with a course at ForumIAS or elsewhere, or some study material.

To download topper's copies, visit the link https://blog.forumias.com/testimonials

Topper's Testimonials and Test Copies

CSE 2021 Topper's Testimonials and Test Copies

CSE Rank 1, Shruti Sharma, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 5, Utkarsh Dwivedi, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 8, Ishita Rathi, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 9, Preetam Kumar, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 12, Yasharth Shekhar, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 14, Abhinav J Jain, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 17, Mehak Jain, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 19, Diksha Joshi, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 20, Arpit Chauhan, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 23, Ashish, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 24, Pusapati Sahitya, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 25, Shruti Rajlakshmi, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 26, Utsav Anand, Download MGP Copies, Click Here
CSE Rank 28, Mourya Bharadwaj Mantri, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 30, Naman Goyal, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 33, Jaspinder Singh, Download MGP Copies, Click Here
CSE Rank 37, V Sanjana Simha, Download MGP Copies, Click Here
CSE Rank 38, Vishal Dhakad, Download MGP Copies, Click Here
CSE Rank 40, Kushal Jain, Download MGP Copies, Click Here